बी.पी.सी.सी.–132

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम
कला स्नातक मनोविज्ञान (मेजर)
(बीएएफपीसी)

सत्रीय कार्य
जनवरी 2024 सत्र के लिए

बी.पी.सी.सी.–132 : सामाजिक मनोविज्ञानः एक परिचय

इग्नू
जन–जन का विश्वविद्यालय

मनोविज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है कि इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता है: i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत् मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक तथा सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक निर्धारित है।

बी.पी.सी.सी.–132 एक 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। (4 क्रेडिट व्याख्यात्मक + सम्बन्धित 2 क्रेडिट शिक्षक घटक/ट्यूटोरियल)। **बी.पी.सी.सी.–132** सत्रीय कार्य के दो भाग हैं।

भाग–I के दो भाग हैं : सत्रीय कार्य–1 और सत्रीय कार्य–2

भाग–I

सत्रीय कार्य–1 में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ एवं जानकारी को व्यवस्थित, सुसंगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-2 में लघु श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

भाग–II शिक्षक घटक है जिसमें अध्ययनकर्त्ता की विशेष क्रिया–कलापों जैसा कि बताया गया है, को पूरा करना होता है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय कार्य प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा, तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तिथि	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2023 एवं जनवरी 2024	30 अप्रैल, 2024 एवं 31 अक्टूबर, 2024	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।

* आपको सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्दर जमा करने होंगे, जिससे आप सत्रांत परीक्षा दे सके।

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। पूर्ण किये हुए सत्रीय कार्य आपको प्रेषित किये गये अध्ययन केन्द्र के संचालक को ही भेजने होंगे।

सत्रीय कार्य लिखने से पहले नीचे दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक अनुकरण करें:

1. आपके लिए नीचे दिए गये तथ्यों पर ध्यान केन्द्रित करना उपयोगी साबित होगा।

   क) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

   ख) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

      क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

      ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

      ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

   ग) प्रस्तुतीकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है**। जिन बिंदुओं पर आप जोर

देना चाहते हो, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

2. अपने उत्तर लिखने के लिए A4 साइज पेपर का प्रयोग करें और सभी पेजों को ध्यानपूर्वक टैग करें। बायीं ओर 4 सेमी का हाशिया और दो उत्तरों के बीच कुछ जगह छोड़े। उपयुक्त जगहों पर छोड़े गये हाशिया में उपयुक्त टिप्पणी करने में शैक्षणिक परामर्शदाता को सुविधा होगी।

3. ***उत्तर आपकी स्वयं की लिखावट में होनी चाहिए***। अपने उत्तरों को टाइप या प्रिंट न करें। विश्वविद्यालय द्वारा भेजे गये अध्ययन सामग्री से अपने उत्तर की नकल न करें। अगर आप अध्ययन सामग्री से नकल करते हैं तो आपको शून्य अंक मिलेंगे।

4. आपको सत्रीय कार्य की एक प्रति पूर्ण किये सत्रीय कार्य के साथ इसे जमा करने से पहले संलग्न करनी होगी।

5. अगर आपने अध्ययन केन्द्र परिवर्तित के लिए निवेदन किया हुआ है, तो आपको सत्रीय कार्य, मूल अध्ययन केन्द्र में ही जमा करना चाहिए जब तक कि आपको विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केन्द्र के बदलने की सूचना ना मिल जाये।

6. अगर आपको अपने सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के पश्चात् कोई वास्तविक त्रुटि मिलती है जैसे सत्रीय कार्य का कोई हिस्सा का मूल्यांकन नहीं हुआ हो या कुल अंक जो संत्रीय कार्य पर गलत अंकित है, आदि। ऐसी त्रुटियों के सुधार के लिए और मुख्यालय में सही अंको को भेजने के लिए, अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक से संपर्क करें।

शुभकामनाओं के साथ,

मनोविज्ञाान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

बी.पी.सी.सी.-132 : सामाजिक मनोविज्ञानः एक परिचय

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः **BPCC-132**

सत्रीय कार्य कोड : **बी.पी.सी.सी. -132 /ए.एस.एस.टी./TMA/ जनवरी 2024**

अधिकतम अकः **100**

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है।

भाग – अ

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक है। **2X20=40**

1. व्यक्ति बोध की अवधारणा की चर्चा कीजिए। आरोपण में किए गए विभिन्न त्रुटियों और पूर्वाग्रहों को समझाइए। 5+15

2. विभिन्न संस्कृतियों में स्वयं एवं सामाजिक व्यवहार की अवधारणा पर चर्चा कीजिए। 20

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक है। **6X5=30**

3. एनकल्चरेशन के अभिकर्ताओं पर चर्चा कीजिए।

4. सामाजिक अनुभूति में होने वाली त्रुटियों के स्रोतों का वर्णन कीजिए।

5. अनुनय को प्रभावित करने वाले कारकों पर चर्चा कीजिए।

6. आक्रामकता को घटाने के लिए उपायों की व्याख्या कीजिए।

7. प्रति सामाजिक व्यवहार में निहित प्रेरणाओं का वर्णन कीजिए।

8. अर्न्तद्वन्द के कारणों एवं समाधान के युक्तियों की व्याख्या कीजिए।

भाग—ब

ट्यूटोरियल

1X30=30

नोटः निम्नलिखित निर्देशों के अनुसार गतिविधियों को पूरा कीजिए। कृपया गतिविधियों को सुसंगत एवं संगठित तरीके से करने का प्रयास करें। आप इस गतिविधि के लिए प्रासंगिक ऑफलाइन या ऑनलाइन संसाधनों का संदर्भ ले सकते है।

सवालः दूसरों से अनुपालन कराने के लिए लोगों द्वारा उपयोग की जाने वाली रणनीतियों की जांच करने के लिए एक साक्षात्कार अनुसूची तैयार कीजिए (उदाहरण के लिए, सब्जी विक्रेता के साथ सौदेबाजी करते समय, व्यक्ति और विक्रेता दोनों अनुपालन रणनीतियों में कैसे शामिल होते हैं या एक शिक्षक छात्रों के लिए कैसे अनुपालन कराने में सक्षम होता है) कोई विशेष कार्य, आदि।

निम्नलिखित दो समूहों पर साक्षात्कार सर्वेक्षण के माध्यम से अपनी प्रतिक्रियाएं एकत्रित कीजिएः

1. वृद्ध व्यस्क (आयु सीमा 65–75 वर्ष)
2. युवा व्यस्क (आयु सीमा 20–35 वर्ष)

प्राप्त प्रतिक्रियाओं के आधार पर, आपको गतिविधि को निम्नलिखित प्रारूप में लिखना हैः

1. आप विषय (जो दिया गया है) के संक्षिप्त परिचय के साथ एक हस्तलिखित फाइल (A4 शीट की) तैयार करेंगे और प्रतिभागियों के साक्षात्कार की प्रतिक्रियाओं और उस से प्राप्त रुझानों पर चर्चा करेंगे। आपको तथ्यों के आधार पर सर्वेक्षण का निष्कर्ष निकालना है एवं अनुपालन की रणनीतियों पर चर्चा करना है।

2. आपको भरी हुई प्रश्नावली (कच्चा डेटा) को भी फाइल में संलग्न करना होगा
3. चयनित विषय के आधार पर, आपको साक्षात्कार के लिए कम से कम 10–15 प्रश्न तैयार करने होंगे।
4. न्यूनतम 20 प्रतिभागियों (प्रत्येक आयु वर्ग में से 10 प्रतिभागी) का एक नमूना चयन करने की आवश्यकता है।

5. फाइल/नोटबुक में निम्नलिखित उपखंड शामिल होंगेः

क) **परिचय** (लगभग 200 शब्दों में)

ख) **कार्यप्रणाली** (जिसमें नमूने के आकार का विवरण और डेटा संग्रह की विधि लगभग 150 शब्दों में शामिल होगी।)

ग) **जाँच–परिणाम** (लगभग 200 शब्दों में)

घ) **निष्कर्ष एवं सुझाव** (लगभग 150 शब्दों में)।